हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 207 | 25 जुलाई 2025 शुक्रवार | हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य–४/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

कब्जामुक्त कराएं जमीनः सीएम

● सीएम योगी ने कहा– पीड़ितों को दिलाएं हक– 200 लोगों की समस्याएं सुनीं

गोरखपुर,(एजेंसी)। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। जमीन का मामला यदि किसी परिवार का हो तो दोनों पक्षों के बीच संवाद कर उसका निस्तारण कराएं। हर पीड़ित को हक दिलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी, गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में एक महिला ने जमीन कब्जा किए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए। एक अन्य महिला की जमीन संबंधी शिकायत पर उन्होंने कहा कि महिला को उनकी जमीन का हिस्सा दिलाया जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

49 यात्रियों को लेकर जा रहा रूसी विमान क्रैश हुआ, किसी के बचने की संभावना नहीं

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। रूस की अंगारा एयरलाइंस का एक यात्री विमान हादसे का शिकार हो गया है। स्थानीय गवर्नर ने बताया कि कुछ देर पहले विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया था। हादसे में विमान में सवार सभी 49 लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। रूसी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रूस–चीन सीमा पर लापता हुआ रूसी विमान क्रैश हो गया है और उसमें सवार सभी 49 लोगों की मौत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, विमान में क्रैश होकर आग लग गई। हादसे में किसी के बचने की संभावना नहीं है। घटनास्थल पर रूस के सिविल डिफेंस और अग्निशमन दल की टीमें मौजूद हैं। कुछ देर पहले रूस के एक स्थानीय अधिकारी ने विमान के लापता होने की जानकारी दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि रूसी एयर ट्रैफिक कंट्रोल का विमान से संपर्क पूर्वी अमूर क्षेत्र में टूटा। यह इलाका रूस और चीन की सीमा पर स्थित है। लापता विमान साइबेरिया स्थित अंगारा एयरलाइंस का एंटोनोव–24 विमान था। गंतव्य स्थल से कुछ किलोमीटर पहले ही टूटा संपर्क रूसी एजेंसी जी के अनुसार, अंगारा एयरलाइंस का विमान बलागोवेशचेंस्क से चीन सीमा पर मौजूद अमूर क्षेत्र के टाइंडा एयरपोर्ट जा रहा था। विमान में 43 यात्री, जिनमें पांच बच्चे शामिल थे और साथ ही क्रू के छह सदस्य सवार थे। स्थानीय गवर्नर वेसिली ओरलोव ने टेलीग्राम पर साझा एक पोस्ट में बताया था कि विमान की तलाश की जा रही है। जिस वक्त विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूटा, उस वक्त विमान अपने गंतव्य स्थल से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर था। एक बयान में टाइंडा एयरपोर्ट के निदेशक ने बताया है कि विमान के क्रैश होने के बाद उसमें आग लग गई। एक एमआई–8 हेलीकॉप्टर के क्रू ने इलाके के हवाई सर्वे के बाद बताया कि हादसे में किसी के बचने की संभावना नहीं है।रूसी आपात स्थिति मंत्रालय ने बताया कि विमान का मलबा मिल गया है, लेकिन मंत्रालय ने आगे और कोई जानकारी नहीं दी।

गाजा में हर दिन भूख से मौत जारी

● चिदंबरम बोले– दुनिया सो रही और उसकी अंतरात्मा दफन हो चुकी है

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने गाजा में जारी मानवीय संकट को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि हर दिन महिलाएं और बच्चे मारे जा रहे हैं और 1000 से अधिक लोग सिर्फ भोजन की तलाश में मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया सो रही है और उसकी अंतरात्मा दफन हो चुकी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने गुरुवार को गाजा में जारी मानवीय संकट को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि गाजा में हर दिन दो अंकों में मौतें हो रही हैं और मरने वालों में बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की है, जो इस संघर्ष से सीधे तौर पर जुड़े भी नहीं हैं। उन्होंने इसे पूरी मानवता के लिए शर्मनाक बताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए चिदंबरम ने लिखा कि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, मई से अब तक गाजा में 1000 से ज्यादा फलस्तीनी सिर्फ खाना पाने की कोशिश में मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि शरणार्थी शिविरों में भूख से तड़पते बच्चों की तस्वीरें यह साबित करने के लिए काफी हैं कि वे भूख और बीमारी से मर रहे हैं। दुनिया की अंतरात्मा दफन हो चुकी है– चिदंबरम चिदंबरम ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, ष्दुनिया सो रही है। और जब वह जागती भी है, तब भी उसकी अंतरात्मा कहीं दफन पड़ी होती है।ष उन्होंने यह सवाल उठाया कि इतने भयानक हालात के बाद भी दुनिया गंभीर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही। तत्काल युद्धविराम की मांग कर चुका है भारत इससे पहले भारत ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में गाजा संकट पर चिंता जताई थी। भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथानेनी हरीश ने कहा था कि केवल संघर्षविराम के छोटे–छोटे विराम मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने तुरंत, पूर्ण युद्धविराम, मानवीय सहायता और बंधकों की रिहाई की मांग की थी। गाजा के अस्पताल और स्कूल व्यवस्था पर असर भारत की ओर से कहा गया।

कि गाजा में स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा प्रणाली पूरी तरह चरमरा चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (भ्ब्) का अनुमान है कि गाजा के 95ः अस्पताल या तो बर्बाद हो चुके हैं या बंद पड़े हैं। वहीं, 6.5 लाख से ज्यादा बच्चों को पिछले 20 महीनों से कोई औपचारिक शिक्षा नहीं मिल पाई है। गाजा में अब तक 58,000 से ज्यादा मौतें अल जजीरा ने गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के हवाले से बताया कि 7 अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में 58,386 लोगों की जान जा चुकी है और 1,39,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में 7 अक्टूबर को हमास के हमले में 1,139 लोगों की मौत हुई थी और 200 से ज्यादा लोगों को बंदी बना लिया गया था।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार गम्भीर

● परिवहन आयुक्त ने जारी किए दिशा निर्देश,डीएम और कमिश्नर को भेजा पत्र

● अब आरटीओ–एआरटीओ कहर माह करेंगे स्कूली वाहनों की समीक्षा

लखनऊ,(यूएनएस)। प्रदेश के लाखों स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। परिवहन विभाग द्वारा 01 जुलाई से 15 जुलाई तक पूरे प्रदेश में स्कूली वाहनों स्कूल बस, वैन आदि का विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के बाद परिवहन आयुक्त ने आरटीओ–एआरटीओ को निर्देश दिया है कि वे स्कूल वाहनों की मासिक समीक्षा करें। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ब्रजेश नरायन सिंह ने कहा कि विद्यालय वाहनों के संचालन में नियमों में लापरवाही या अनदेखी स्वीकार नहीं होगी। बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सभी संबंधित अधिकारी, विद्यालय प्रबंधन एवं वाहन संचालक तत्काल इस पर कार्रवाई करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई होगी। विद्यालय वाहन संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा सुरक्षा अनिवार्य हो, जिससे प्रदेश के लाखों बच्चों की स्कूली यात्रा सुरक्षित एवं भरोसेमंद बन सके। पहली से 15 जुलाई तक चले अभियान में प्रदेश में कुल पंजीकृत 67,613 स्कूली वाहनों में से 46,748 वाहनों69 फीसदी की गहन जांच की गई। इसमें 4,089 यानि

8.75 फीसदी वाहन सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करते पाए गए। 1,768 वाहन ऐसे पाए गए, जिनकी फिटनेस अवधि समाप्त थी, फिर भी नियमित संचालित थे। इन उल्लंघनों के कारण 4,438 वाहनों का चालान, 913 वाहन सीज तथा 88.52 लाख रुपये की प्रशमन शुल्क वसूली की गई।अभियान के परिणामों की जिला स्तरीय समीक्षा के अनुसार कुछ जिलों ने प्रभावी कार्रवाई की, जिनमें प्रमुख रूप से प्रयागराज, फर्रुखाबाद, लखनऊ, कानपुर नगर हैं। मऊ, महराजगंज, देवरिया, हापुड़, सिद्धार्थनगर आदि जिलों में वाहनों की जांच एवं प्रवर्तन की स्थिति कमजोर मिली।परिवहन आयुक्त ने जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में, क्षेत्रीय परिवहनअधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधकों प्रधानाचार्यों को वाहन संचालन के संबंध में पत्र जारी किए हैं। सभी संभागीय परिवहन प्राधिकरण के अध्यक्ष को निर्देश दिए हैं कि बिना परमिट चल रहे निजी वाहनों को तत्काल से सीज करें, फिटनेस समाप्त वाहनों का संचालन प्रतिबंधित करें तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों पर कार्रवाई के लिए जिला शिक्षा विभाग एवं जिलाधिकारी कार्यालय से समन्वय करें। जिलाधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि प्रत्येक जिले में गठित जिला विद्यालय वाहन परिवहन सुरक्षा समिति को सक्रिय कर नियमित बैठकें करें। विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति की निगरानी करें। परिवहन आयुक्त ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने क्षेत्र के विद्यालयों से सम्बद्धवाहनों के दस्तावेजों, सुरक्षा उपकरणों, चालक एवं परिचर के पुलिस सत्यापन, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की मासिक समीक्षा करें। विद्यालय प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों से कहा गया है कि अपने विद्यालय से संचालित प्रत्येक वाहन बस वैन ऑटो की जिम्मेदारी उनकी है। विद्यालय में षविद्यालय परिवहन सुरक्षा समितिष गठित करें। वाहन के दस्तावेज, चालक सत्यापन, सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच करें। बिना औपचारिक सम्बद्धता एवं परमिट के कोई भी वाहन विद्यालय परिसर से संचालित न हो। यदि कोई दुर्घटना या आपराधिक घटना होती है तो विद्यालय प्रबंधन जिम्मेदार होगा। 2019 के कठोर एवं स्पष्ट प्रावधानों के अंतर्गत नियंत्रित किया जाना अनिवार्य है। विद्यालय स्वामित्व की बसों को मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 76 के तहत निजी सेवा यान परमिट प्रपत्र एसआर–23के अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा। निजी संचालित बसें ठेका गाड़ी विद्यालय प्रबंधन के साथ औपचारिक लिखित करार तथा मोटरयान अधिनियम की धारा 73 के तहत वैध परमिट प्रपत्र एसआर–21के आवश्यक रूप से प्राप्त करेंगी। विद्यालय वैन 13 सीट तक के संचालन हेतु वाहन स्वामी एवं अभिभावकों के बीच औपचारिक लिखित करार आवश्यक है तथा परमिट आवेदन प्रपत्र एसआर–21बी विद्यालय प्रबंधन के माध्यम से ही अग्रसारित किया जाना अनिवार्य है।स्कूली वाहनों के लिए स्पष्ट आयु सीमा निर्धारित की गई है, विद्यालय बसों एवं ठेका गाड़ी बसों एवं विद्यालय वैन हेतु अधिकतम 15 वर्ष।डीएम की अध्यक्षता में विद्यालय वाहन परिवहन सुरक्षा समिति, विद्यालय प्रबंधन की अध्यक्षता में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन अनिवार्य है। वाहन चालकों एवं परिचरों का पुलिस सत्यापन, नियमित प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य है।

छह साल पुरानी चूक पड़ी भारी, इंस्पेक्टर निलंबित

लखनऊ,(यूएनएस)। गाजियाबाद में क्राइम ब्रांच प्रभारी इंस्पेक्टर अब्दुल रहमान सिद्दीकी को पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड ने निलंबित कर दिया है। कार्रवाई 2019 के एक अपहरण मामले में बरती गई गंभीर लापरवाही के चलते की गई है, जब वह मेरठ के सिविल लाइन थाने के प्रभारी थे। 2019 में मेरठ के सिविल लाइन थाना क्षेत्र की एक युवती के अपहरण का मामला सामने आया था। पीड़िता के परिजनों ने उस वक्त छांगुर बाबा गैंग के सदस्य बदर अख्तर सिद्दीकी पर अपहरण का आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी थी लेकिन इंस्पेक्टर अब्दुल रहमान ने मामला दर्ज करने से इनकार कर पीड़ित परिवार को फटकार लगाकर थाने से भगा दिया था। एटीएस की गिरफ्त में आए गैंग लीडर छांगुर बाबा से पूछताछ के दौरान मामला उजागर हुआ। इसके बाद एटीएस और मेरठ पुलिस की संयुक्त जांच में पुष्टि हुई कि इंस्पेक्टर अब्दुल रहमान ने मामले को जानबूझकर नजरअंदाज किया था। एटीएस ने मेरठ एसएसपी को पत्र भेजकर 2019 की घटना की जानकारी मांगी थी। जांच में दोष साबित होने के बाद गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त ने तत्काल प्रभाव से इंस्पेक्टर अब्दुल रहमान सिद्दीकी को निलंबित कर दिया है।

अब मायानगरी में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 का होगा प्रचार, मेगा रोड शो आज

लखनऊ,(यूएनएस)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई अब उत्तर प्रदेश की औद्योगिक और कारोबारी ताकत की साक्षी बनने जा रही है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 से पहले देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में आयोजित किए जा रहे रोड शो की श्रृंखला में चौथा मेगा आयोजन 25 जुलाई को मुंबई के चर्चगेट स्थित आईएमसी चौम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के वालचंद हीराचंद हॉल में होगा। दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरू में आयोजनों में निवेशकों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और उद्योगजगत से जुड़े लोगों ने उत्तर प्रदेश की नीतियों पर जिस भरोसे और उत्साह के साथ सहभागिता की, उसने यूपी को नई पहचान दी है। अब मुंबई में यह आयोजन न केवल निवेश की नई संभावनाओं को खोलेगा बल्कि यूपी के व्यापारिक विजन को देश और दुनिया के सामने और मजबूती से रखेगा। मेगा रोड शो का उद्देश्य राज्य सरकार के निर्यात विजन को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक पहुंचाना है। इस आयोजन का नेतृत्व एमएसएमई, खादी व ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान करेंगे। 'टीम योगी' के अधिकारी राज्य में हो रहे बुनियादी बदलावों, बेहतर अधोसंरचना।

नवयुग में कार्यक्रम याद करो कुर्बानी का आयोजन

लखनऊ,(यूएनएस)। लहराएगा तिरंगा अब सारे आसमान पर, भारत का नाम होगा सबकी जुबान पर, ले लेंगे उसकी जान या खेलेंगे अपनी जान पर, कोई जो आंख उठाएगा हमारे हिंदुस्तान पर–इस जज्बात के साथ कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में आज नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में एक विशेष कार्यक्रम याद करो कुर्बानी का आयोजन किया गया। जिसमें अमर शहीद मेजर प्रतीक मिश्रा की वीरम रेशम मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में एवं 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल (डॉ.) दिनेश कुमार पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने की तथा संयोजन व संचालन एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ) मनमीत कौर सोढ़ी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित करके हुआ। तत्पश्चात अतिथियों को प्रशस्ति चिन्ह एवं पौध भेंट किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कैडेट गरिमा तिवारी , प्रीति कुमारी एवं आस्था त्रिपाठी ने भावपूर्ण कविताएं प्रस्तुत की कैडेट लक्षिका किशोर ने कारगिल विजय दिवस के इतिहास की जानकारी दी।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

निर्माण कार्योंका पालिकाध्यक्ष ने किया औचक निरीक्षण

पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी ने निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराए जाने के दिये निर्देश

(भव्य प्रभात)

हाथरस। नगर के प्रमुख एवं व्यस्ततम चौराहे चामड़ गेट चौराहा पर नगर पालिका परिषद द्वारा कराए जा रहे सी० सी० रोड निर्माण कार्य का पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता का जायजा लिया और उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए।

पालिकाध्यक्ष ने बताया कि यह मार्ग नगर के सुप्रसिद्ध राज राजेश्वरी श्री चामड़ माता मंदिर, रामचंद्र कन्या इंटर कॉलेज, मैन मार्केट और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों को जोड़ता है। इस मार्ग के निर्माण से श्रद्धालुओं, विद्यालय जाने वाली छात्राओं और आमजन को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। साथ ही, बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या से भी निजात मिल सकेगी।

उल्लेखनीय है कि चामड़ गेट चौराहा नगर का सबसे व्यस्त चौराहा है, जो आगरा रोड, जलेसर रोड व अन्य प्रमुख मार्गों से जुड़ा हुआ है। यहाँ से व्यापारिक व निजी वाहनों की आवाजाही अधिक होती है।

सीसी रोड के निर्माण से आमजन को दैनिक आवागमन में व्यापक स्तर पर लाभ मिलेगा। नगर पालिका परिषद द्वारा नगरवासियों की सुविधा हेतु यह कार्य गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जीएसटी विभाग द्वारा किये जा रहे उत्पीड़न के विरोध में उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने दिया ज्ञापन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा के आवाहन पर उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाअध्यक्ष विष्णुगौतम के नेतृत्व में पदाधिकारिओं ने योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम जीएसटी विभाग की दमनकारी नीतियों के खिलाफ उपजिलाधिकारी बसंत अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा

जीएसटी विभाग द्वारा प्रदेश में धारा– 79 के अंतर्गत की जा रही वसूली व सर्वे छापे के नाम पर सचल दल द्वारा व्यापारियों से किया जा रहे उत्पीड़न के संदर्भ में उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग द्वारा विगत कुछ माह से व्यापारियों के विरुद्ध दमनकारी नीति अपनाते हुए उनके बैंक खातों को सीज किया जा रहा है तथा खातों से धन निकासी भी की जा रही है जीएसटी में ईमेल द्वारा नोटिस दी जाती है जिससे व्यापारी उनको देख नहीं पाते और व्यापारियों के खाते सीज किए जा रहे हैं व खातों से रकम निकाली जा रही है ईमेल देख न पाने के कारण व्यापारी ग्रेड वन के यहां अपील भी नहीं कर पाते इसके साथ ही घोषणा के बावजूद ज्मनइदंस ना होने के कारण दूसरी अपील भी नहीं कर पा रहे हैं अतः मुख्यमंत्री जी से निवेदन है इस विषय पर गंभीरता से निर्णय ले और व्यापारियों का उत्पीड़न रोका जाए ।

ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से प्रदेश मंत्री रघुनाथ टालीवाल व निर्देश चंद्र वार्ष्णेय, प्रदेश संगठन मंत्री विष्णु पचौरी प्रदेश संगठन मंत्री कमल कांत दोबराबाल व सुनील वर्मा, युवा के प्रदेश मंत्री राहुल गुप्ता ,युवा के प्रदेश संगठन मंत्री डा. रघुकुल तिलक दुबे,जिला अध्यक्ष विष्णुगौतम, जिला महामंत्री अनिल वार्ष्णेय तेलवाले, जिला संयुक्त महामंत्री सुरेन्द्र वांठिया,जिला कोषाध्यक्ष संजीव आंधीवाल,जिला मीडिया प्रभारी ऋषि शर्मा, युवा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र वार्ष्णेय, युवा जिला महामंत्री मनोज अग्रवाल, युवा जिला कोषाध्यक्ष विकास गर्ग,नगर अध्यक्ष तरुण पंकज,नगर महामंत्री राम कुमार अग्रवाल, संयुक्त महामंत्री लोकेश अग्रवाल,नगर कोषाध्यक्ष नीरज अग्रवाल ,नगर महामंत्री सासनी कमल वार्ष्णेय चक्कू,युवा नगर अध्यक्ष योगेश वार्ष्णेय, युवा नगर महामंत्री चंदन वार्ष्णेय, युवा नगर कोषाध्यक्ष अनिल वार्ष्णेय चक्की वाले,मोहित वार्ष्णेय मीडिया प्रभारी,श्याम अग्रवाल, मयंक गुप्ता, शशांक वार्ष्णेय, नितिन वार्ष्णेय रौनक वार्ष्णेय, अजय उपाध्याय, सुनील शर्मा,ने ज्ञापन सौंपा।

एनपीएस और यूपीएस के विरोध में 1 अगस्त को कलेक्ट्रेट में होगा रोश मार्च

(भव्य प्रभात)

हाथरस। अटेवा प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशन में जिला कार्यकारिणी अटेवा हाथरस द्वारा आगामी 1 अगस्त को एन पी एस और यू पी एस के विरोध में कलेक्ट्रेट हाथरस पर रोष मार्च किया जाएगा।

इसके लिए अटेवा हाथरस द्वारा सभी विभागों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है , जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत आज विकास खंड हाथरस पर कार्यरत कर्मचारियों से सम्पर्क किया गया और बैठक आयोजित की गई।अपने सम्बोधन में अटेवा जिला अध्यक्ष प्रेमचंद चंदेल ने कहा कि पुरानी पेंशन ही हमको चाहिए एन पी एस एवं यू पी एस का हम पूर्ण रूप से विरोध करते हैं।जिला महिला संयोजिका अटेवा श्रीमती अनीता भारती द्वारा कहा गया कि पुरानी पेंशन हमारे बुढ़ापे की जीवन रेखा है। सेवानिवृत होने के बाद यह हमारे जीवन का आधार है। रवि कान्त वर्मा जिला महामंत्री अटेवा हाथरस द्वारा कहा गया कि 2004 के बाद से पुरानी पेंशन बन्द है ,एन पी एसध यू पी एस का सभी कर्मचारी विरोध कर रहें है। जब माननीय सांसद और विधायक पुरानी पेंशन ले रहें है तो कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने से परहेज क्यों?जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं होती है तब तक कर्मचारी वर्ग पुरानी पेंशन के लिए लड़ता रहेगा। जल्दी ही पुरानी पेंशन हमको मिलेगी आप अटेवा के साथ मजबूती से जुड़े रहिए अटेवा का एक ही आधार पुरानी पेंशन है।बैठक में बॉबी चौहान सूरजपाल हंसमुख राजपाल सिंह पंकज सिंह संजय कुमार महेश वारिश अंसारी कुमार गंगाराम महेंद्र पाल हरि ओम राजकुमार इम्तियाज अली श्याम सुंदर हरकिशोर साहिल धर्मपाल गौरव कुमार हसन अली लता देवी गुड्डी देवी मीना देवी सत्य प्रकाश दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

सावन मास की शिवरात्रि पर श्री गोपेश्वर महादेव पर हुआ भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन, खीर की प्रसादी वितरित की

(भव्य प्रभात)

हाथरस। सावन पावन मास की कृष्णपक्ष चतुर्दशी सावन शिवरात्रि को मन्दिर श्री गोपेश्वर नाथ पर दैनिक दाता सन्देश के व्यूरो चीफ व प्रेस क्लब ऑफ हाथरस के कोषाध्यक्ष बृजेश चन्द्र मिश्र तथा प्रमुख उद्यमी व युवा समाजसेवी रवि वर्मा शेखर वर्मा ने सपरिवार संयुक्त रूप से देवाधिदेव महादेव बाबा श्री गोपेश्वर नाथ महाराज का दूध,दही,घी,शहद, बूरा आदि सामग्री से रुद्राभिषेक कर भोग प्रसाद लगाया ।

मन्दिर के प्रमुख महन्त आचार्य प० प्रदीप भारद्वाज ने बाबा श्री गोपेश्वर नाथ की पूजा–अर्चना पूरी विधि विधान के साथ कराकर रुद्राभिषेक कराया उनके साथ प्रमुख युवा विद्वान व भागवताचार्य प० रुद्र आदित्य गोस्वामी तथा युवा वेदपाठी प० कृष्ण गोस्वामी मौजूद रहे। मन्दिर पर शाम को बाबा श्री गोपेश्वर नाथ महाराज के भव्य व दिव्य श्रृंगार के हुए तथा खीर की प्रसादी का वितरण हुआ। भारी संख्या मे शिव भक्तों ने बाबा के दर्शनकर खीर की प्रसादी ग्रहण की ।

सामुदायिक सलाहकार बोर्ड की बैठक में एचआईवी लक्षित हस्तक्षेपों के क्षेत्रों पर हुई चर्चा

(भव्य प्रभात)

हाथरस।जिला क्षय रोग अधिकारी कार्यालय पर बुधवार को सामुदायिक सलाहकार बोर्ड (सीएबी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एचआईवी लक्षित हस्तक्षेपों (टीआई) से संबंधित प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में विस्तार से चर्चा करते हुये एचआईवी लक्षित हस्तक्षेपों में मानचित्रण और आकार अनुमान का महत्व, टीआई परियोजना के अंतर्गत एचआरजी कवरेज की वर्तमान स्थिति, मौजूदा हॉटस्पॉट और उनकी परिचालन स्थिति की समीक्षा, मानचित्रण और जनसंख्या आकार अनुमान में शामिल चरण ,प्रक्रिया के दौरान उपयोग किए जाने वाले उपकरण और कार्यप्रणाली, मौजूदा हॉटस्पॉट सूची का सत्यापन और अद्यतनीकरण , स्पष्ट रूप से परिभाषित समय – सीमाओं के साथ कार्य योजना को अंतिम रूप देना ,रिपोर्टिंग प्रारूप और जवाबदेही तंत्र,58 मौजूदा हॉटस्पॉट पर आदि पर चर्चा हुई। सीएबी सदस्यों के सुझावों के आधार पर, 5 नए हॉटस्पॉट की पहचान की गई और उन्हें आधिकारिक तौर पर अद्यतन सूची में शामिल किया गया। बैठक के दौरान भौतिक मानचित्र पर अंतिम मानचित्रण पूरा किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुये डीटीओ डॉ विजय आनंद ने सलाह दी कि अंतिम गतिविधि कार्य योजना (मानचित्रण और हॉटस्पॉट सत्यापन विवरण सहित) 2 दिनों के भीतर प्रस्तुत की जानी चाहिए। बैठक के अंत मे क्लस्टर रोकथाम अधिकारी अमित कुमार राघव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर टीआई परियोजना कार्यालय से पीएम शिव कुमार वर्मा , काउंसलर सपना सिंह ,राजेश बाबू , रजत कुमार ,बुलबुल आदि उपस्थित रहे।

एसपी ने की रिक्रूट आरक्षियों की प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की समीक्षा

(भव्य प्रभात)

हाथरस। पुलिस अधीक्षक हाथरस चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा पुलिस कार्यालय,हाथरस स्थित सभागार कक्ष में गोष्ठी का आयोजन किया गया । पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों की प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की समीक्षा की एवं उन्हें और अधिक प्रभावशाली, अनुशासित और व्यावहारिक बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गये । पुलिस अधीक्षक द्वारा रिक्रूट प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की । बताया गया कि प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों को ऐसी व्यवस्था प्रदान की जाए जिससे वे न केवल पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करें, बल्कि एक जिम्मेदार, संवेदनशील एवं सजग पुलिसकर्मी के रूप में तैयार हों। प्रशिक्षण की दोनों विधाओं दृ इंडोर (सैद्धांतिक) और आउटडोर (शारीरिकध्मैदानी) पर समान रूप से बल देने की बात कही गई।

लगातार छठवें दिन भी तहसीलदार कोर्ट का हुआ बहिष्कार, दरी पर बैठकर और माइक लगाकर अधिवक्ताओं ने किया धरना प्रदर्शन

लालगंज रायबरेली। लालगंज के तहसीलदार ध्रुव नारायण यादव और नायब तहसीलदार सरेनी के विधि विरुद्ध कार्यों से अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। छठवें दिन भी अधिवक्ताओं की हड़ताल जारी रही। बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन के अधिवक्ता सभी कोर्टो का बहिष्कार कर रहे हैं। गुरुवार को अधिवक्ताओं ने एसडीएम कोर्ट के सामने दरी बिछाकर धरना दिया और माइक लगाकर अधिकारियों के खिलाफ हल्ला बोला। बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन लालगंज के अध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह चौहान एडवोकेट की अध्यक्षता में तहसीलदार ध्रुव नारायण यादव और नायब तहसीलदार सरेनी की कार्यप्रणाली को लेकर अधिवक्ताओं का आंदोलन और हड़ताल लगातार जारी है।वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेश त्रिवेदी ,बार अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह चौहान महामंत्री राज बहादुर मौर्य ने बताया कि तहसीलदार ध्रुव नारायण यादव द्वारा जून माह 2025 में बिना पक्षकारों को साक्ष्य व सुनवाई का अवसर दिये मनमानी ढंग से अपने विश्राम कक्ष में पेशकार से चुपचाप पत्रावलियां मंगाकर न्याय की हत्या करते हुये सैकड़ों पत्रावलियों में अवैधानिक तरीके से एकपक्षीय आदेश पारित किये गये है। उन एकपक्षीय आदेशों की सूचना किसी भी पक्ष को नहीं दी गयी है जिससे अधिवक्ताओं और वादकारियों मे भारी रोष व्याप्त है। अधिवक्ता एसो० द्वारा मांग की जाती है कि उन समस्त एकपक्षीप आदेशों को निरस्त कर उभयपक्षों को सुनवायी का अवसर देते कर सुनवाई की जाए। अधिवक्ताओं का यह भी कहना है कि न्यायालय नायब तहसीलदार सरेनी द्वारा भी बिना साक्ष्य व सुनवाई का अवसर दिये अवैधानिक आदेश पारित किये जा रहे है जिसकी एसो० निन्दा करता है तथा यह मांग की जाती है कि उभयपक्षों को समुचित अवसर देते हुये पत्रावलिया में निर्णित करे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि मांगों के समर्थन में बैसवारा अधि० एसो० तहसील लालगंज के समस्त सदस्यगण न्यायिक कार्य से समस्याओं के निस्तारण तक विरत रहेगें। इस अवसर पर तहसील के अधिवक्तागणो मे पूर्व अध्यक्ष विनय भदौरिया , पूर्व महामंत्री अशोक शुक्ला,केपी सिंह ,ज्योतिरेंद्र मिश्रा, रामनारायण श्रीवास्तव, संजय सिंह, सुरेश बाजपेई, य ा त्रिपाठी,घनश्याम यादव, केपी सिंह, दल बहादुर सिंह , श्री नारायण सिंह, शिव शंकर पांडे,लक्ष्मी शंकर यादव, केदार दीक्षित ,सुरेश यादव ,सुरेश निगम आदि सभी अधिवक्ता गण मौजूदहै।

हुये वाद का निस्तारण गुण–दोष के आधार पर किया जाय। वकीलो का कहना है कि समस्त एक पक्षीय आदेशों को निरस्त करने के उपरान्त अनुपस्थित पक्षों को नोटिस न्यायालय द्वारा प्रेषित

नोएडा एक्सप्रेस वे पर कार में लगी आग, शॉट सर्किट बताई जा रही वजह

नोएडा,(यूएनएस)। नोएडा एक्सप्रेस वे पर एडवंट बिल्डिंग के सामने एक कार में आग लग गई। आग की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। कार से धुआं निकलते ही चालक ने सड़क के किनारे वाहन खड़ा किया। वो तेजी से कार से नीचे उतरा। इसके बाद कार में तेजी से पकड़ ली। मिनटों में ही कार धू–धू कर जलने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दमकल विभाग को दी। सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि जानकारी मिलते ही दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया। आग पर करीब 20 मिनट में काबू पा लिया गया। कोई जनहानि नहीं है। आग की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। इस दौरान कुछ देर के यातायात को डायवर्ट किया गया। आग बुझाने के बाद यातायात सुचारु रूप से चलने लगा। आग इंजन में लगी थी। उन्होंने बताया कि समय से वाहनों की सर्विस बहुत जरुरी है। ताकि वाहनों में आग नहीं लगे।

48 वर्षीय व्यक्ति गायब, बेटे ने कोतवाली में दर्ज कराई गुमशुदगी

नोएडा,(यूएनएस)। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे से एक 48 वर्षीय व्यक्ति राजकुमार पिछले 7 महीने से लापता है। उनके बेटे जतिन ने गुरुवार को कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिवार ने बताया कि राजकुमार अचानक घर से लापता हो गए। उन्होंने कई जगहों पर तलाश की, लेकिन कहीं भी कोई सुराग नहीं मिला।

छात्र ने ऑनलाइन गेम में गंवाए डेढ़ लाख, शारदा नहर में लगाई छलांग

रायबरेली। जनपद में ऑन लाइन गेम ने एक छात्र की जान ले ली। छात्र एविएटर गेम खेलने की वजह से डेढ़ लाख रुपए हार गया था। जिसके बाद उसने शारदा नहर में कूदकर सुसाइड कर लिया। मंगलवार को छात्र ने सुसाइड किया था। बुधवार दोपहर को उसका शव नहर से 1 किलोमीटर दूर बरामद हुआ है। आसपास के लोगों ने बताया, युवक नहर के पास खड़ा था। कुछ देर बाद उसने अपना फोन अपनी साइकिल पर रख दिया और नहर में छलांग लगा दी। हम लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामला रायबरेली के महराजगंज थाना इलाके के असनी गांव का है। छात्र का नाम विक्रांत था। वो बीएससी थर्ड ईयर का छात्र था। परिवार वालों ने बताया विक्रांत पढ़ने में बहुत अच्छा था। उसके इंटर में 90: नंबर आए थे। हमें नहीं पता ये कब इस गेम के चक्कर में पड़ गया। पैसे हारने के बाद इसने हमें बताया था। हमने विक्रांत से कुछ भी नहीं कहा था। बस उसको समझाया था। लेकिन वो डिप्रेशन में चला गया था। विक्रांत के बड़े भाई विनोद ने बताया, घर में पापा की आंख की रोशनी कम है। वो कुछ काम नहीं करते। मां भी घर पर रहती हैं। मैं और मेरा भाई विकास दिल्ली में रहकर नौकरी करते हैं। हम लोग विक्रांत के ही खाते में घर के खर्चे और उसकी पढ़ाई के लिए पैसे डालते थे। वो घर का छोटा था, पढ़ाई में अच्छा था तो कोई उससे ज्यादा सवाल जवाब भी नहीं करता था। जब हम लोगों को कुछ शक हुआ तो 1 हफ्ते पहले ही घर आकर उसे बात की थी। बस यही बोला था, भइया पढ़ने में अच्छे हो क्यों गलत संगत करते हो। ये सब मत किया करो, पैसा भी बर्बाद होता है। तब वो भी अपनी गलती मान रहा था। कह रहा था, भइया अब से ऐसा नहीं होगा। लेकिन फिर भी उसने अपनी जान दे दी। मामले में कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि सुसाइड का मामला लग रहा है। शव को बरामद कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में पति की मौत, पत्नी घायल,स्कॉर्पियो–बाइक की हुई टक्कर

रायबरेली। हरचंदपुर थाना क्षेत्र में महावीर स्कूल के पास सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। उनकी पत्नी घायल हो गईं। मृतक की पहचान नागेश्वर (46) के रूप में हुई है। नागेश्वर अपनी पत्नी चंदा देवी के साथ मोटरसाइकिल से मुबारकपुर से सुजातगंज बल्ला जा रहे थे।

पूर्व शिक्षक दीपू दीक्षित को चंदन त्रिवेदी ने भेंट किया रामचरितमानस ग्रंथ

लालगंजरायबरेली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ धर्म जागरण के खंड संयोजक चंदन त्रिवेदी ने पूर्व शिक्षक ऐहार निवासी दीपू दीक्षित को रामचरितमानस भेंट कर बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। रामायण भेंट करते हुए चंदन त्रिवेदी ने कहा कि हिंदू धर्म के अनुयायियों को रामचरितमानस का रोजाना पाठ करना चाहिए और भगवान राम के आदर्शों पर चलकर राष्ट्र और समाज को मजबूत करने का काम करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चंदन त्रिवेदी ने जब से अयोध्या जाकर भगवान राम लला का दर्शन किया था तभी से वह रामायण मानस पाठ का लगातार प्रचार प्रसार करते हुए लोगों को रामचरितमानस भेंट कर रहे हैं। वही विकास तिवारी ने बताया कि चंदन त्रिवेदी समाज सेवा के साथ–साथ धार्मिक कार्यों में भी अग्रसर रहते हैं। उनके इस कार्य की पंडित झिलमिल जी महाराज, विकास तिवारी,मृदुलेश तिवारी, रोहित शुक्ला,उमेश सिंह, अवनीश पांडे, संजू महाराज आयुष पांडे शिवम बाजपेई आदि ने जोरदार सराहना की है।

बुजुर्ग की मौत,बेटे का आरोप- पत्नी और साले ने मिलकर की मां की हत्या

उरई / जालौन,(यूएनएस)। उरई शहर कोतवाली के कृष्णानगर मुहल्ले में रहने वाली एक वृद्ध महिला की संदिग्ध हालात में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के बेटे ने पत्नी और उसके भाई पर मिलकर हत्या करने और घर से जेवरात चोरी करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को शिकायती देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, उरई के कृष्णानगर स्थित बंदरो वाली गली बजरिया रोड के रहने वाले अनुज वर्मा ने बताया कि वह अपनी पत्नी पूनम वर्मा और तीन वर्षीय पुत्र अर्नव वर्मा के साथ मकान की ऊपरी मंजिल में रहते हैं, जबकि उनकी मां रामसखी वर्मा (पत्नी स्वर्गीय राजकुमार वर्मा) मकान के निचले हिस्से में अकेले रहती थीं।अनुज ने बताया कि 18 जून 2025 की सुबह करीब 6.30 बजे उसकी पत्नी पूनम ने उसे नीचे बुलाया। जब वह नीचे पहुंचा तो उसकी मां रामसखी खून से लथपथ हालत में जमीन पर पड़ी थीं। उनके सिर में गंभीर चोट थी, हाथ की उंगलियों में गहरे घाव थे और एक कान भी कटा हुआ था। परिजन उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज उरई लेकर गए, जहां से गंभीर हालत देखते हुए कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया। अनुज के मुताबिक, हैलट अस्पताल कानपुर में प्राथमिक इलाज के बाद वह अपनी मां को रीजेंसी हॉस्पिटल ले गया और वहां से रायबरेली स्थित एपेक्स अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में एम्स रायबरेली में इलाज के दौरान 23 जुलाई को रामसखी वर्मा की मौत हो गई। शव लेकर जब अनुज वापस घर पहुंचा तो उसने देखा कि उसके कमरे में रखी सेफ से सोने–चांदी के सभी जेवरात गायब हैं। इस पर अनुज को शक हुआ कि उसकी मां की हत्या उसकी पत्नी पूनम व उसके भाई गौरव पुत्र रामप्रकाश, निवासी उमरारखेरा ने मिलकर की है। अनुज ने बताया कि दो माह पूर्व एक मामूली विवाद के चलते पूनम ने धमकी दी थी कि वह ष्जिंदगी की सबसे कीमती चीज छीन लेगी। यही नहीं, पहले भी पूनम सास से अक्सर झगड़ा करती थी और करीब 4–5 महीने पहले उसने 1090 पर शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद मां को अलग रहने के लिए मजबूर होना पड़ा था। अनुज ने कोतवाली उरई में तहरीर देकर मामले में हत्या और चोरी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मई के राजकीय पशु चिकित्सालय परिसर में हो रहा जलभराव, दीवारों में आ रही सीलन

मुख्य गेट का दरवाजा भी टूटा, बिजली की भी नहीं है कोई व्यवस्था, डीएम से की गई शिकायत

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। गांव मई के राजकीय पशु चिकित्सालय का हाल बेहाल हो चुका है। पूरे चिकित्सालय परिसर में जलभराव हो रहा है। अव्यवस्थाएं इतनी हावी हैं कि यहां के मुख्य गेट का दरवाजा तक टूटा हुआ है। पूरे चिकित्सालय परिसर में सीलन आ रही है, लेकिन इस तरफ संबधित अधिकारियों का कोई ध यान नहीं है। इस मामले में डीएम से शिकायत की गई है। गांव गढ़ उमराव निवासी गौ सेवक जतिन सारस्वत पुत्र मुन्नालाल ने जिलाधिकारी को भेजे गए शिकायती पत्र में बताया कि गांव मई के पशुचिकित्सालय की हालत बेहद ही बदहाल है। पूरे चिकित्सालय परिसर में जलभराव हो रहा है। जल निकासी का कोई प्रबंध नहीं है। चिकित्सालय की सभी दीवारों में सीलन आ रही है और सीमेंट भी झड़ने लगा है। चिकित्सालय के मुख्य गेट का दरवाजा टूटा हुआ है और बाउंड्रीवॉल भी टूटी हुई है, जिससे कभी भी कोई हादसा घटित हो सकता है। चिकित्सालय में बिजली की भी कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे पशुओं के वैक्सीन को सुरक्षित रख पाना आसान नहीं है। बिजली का कनेक्शन भी आवेदन करने के बाद नहीं किया गया है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में छात्र संसद को दिलाई शपथ

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। कूपा गली स्थित लाला किषन नारायण अग्रवाल सरस्वती षिषु विद्या मंदिर में षिषु भारती एवं छात्र संसद के पदाधिकारियों की षपथ का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का षुभारंभ उपनिरीक्षक अंकित चौधरी, आरक्षी राजेंद्र सिंह और प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह सिसौदिया ने सामूहिक रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुश्पार्चन कर किया। अतिथियों द्वारा षिषु भारती तथा छात्र संसद के पदाधिकारियों को सामूहिक रूप से षपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन सोनू कुमार ने किया।

प्रधानाचार्य ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रदीप, सोनू, अनिल, मुनेन्द्र, वंदना, रीना, ममता, रष्मि, कविता, पूनम, उमा, कन्हैयालाल वर्मा, मीना देवी आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

आबकारी टीम ने विभिन्न मदिरा की दुकानों का किया औचक निरीक्षण ,स्टॉक का किया मिलान

(भव्य प्रभात)

हाथरस। अवैध शराब निर्माण,बिक्री,परिवहन ,भंडारण, अपमिश्रण, ओवर रेटिंग के विरुद्ध आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार संचालित किये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिलाधिकारी के पर्यवेक्षण में जनपद में आबकारी टीम द्वारा थाना मुरसान अन्तर्गत कोटा , कपूरा, लुहेटा तथा थाना कोतवाली अंतर्गत सासनी गेट, सादाबाद गेट, चामड गेट लाडपुर रोड आदि क्षेत्रों में दबिश तथा छापामारी की गई। साथ ही उक्त क्षेत्र में स्थित विभिन्न मदिरा की दुकानों का औचक निरीक्षण करते हुए स्टॉक का मिलान किया गया तथा टेस्ट परचेसिंग करते हुए अनुज्ञापियों को सख्त दिशा निर्देश दिए गए। कार्यवाही के दौरान क्षितिज कुमार, आबकारी निरीक्षक हाथरस सदर मय आबकारी स्टाफ उपस्थित रहे।

करवटें बदल रहा मौसम, सादाबाद में आसमान में छाए पीले बादल, उमस भरी गर्मी से हाल बेहाल

सादाबाद। मौसम का मिजाज लगातार करवट ले रहा है। गुरूवार को दिनभर में एक दो बार हुई बूंदाबांदी से पूरे दिन लोगों का उमसभरी गर्मी से हाल बेहाल रहा। लोग पसीने से तरबतर होते रहे। पंखे और कूलर में भी राहत नहीं मिल सकी। शाम होते ही आसमान में पीले बादल छा गए। गुरूवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भीषण गर्मी के बीच बिजली भी कई बार गुल हुई, जिससे लोग बेहद परेशान रहे। ग्रामीण इलाकों में भी मौसम के तेवर बदले बदले रहे। कहीं धूप तो कहीं बूंदाबांदी ने लोगों की परेशानी को बढ़ाए रखा।

बाइकों की भिड़त में दो युवकों की मौत, एक की हालत गंभीर

गांव ऊंचागांव के निकट हुआ सड़क हादसा

सादाबाद। सादाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव ऊंचागांव के निकट गुरूवार की शाम को दो बाइकों में जोरदार भिंडत हो गई। इस घटना में दोनों बाइकों पर सवार तीन युवकों में दो युवकों की मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस मृतक के शव को सीएचसी ले आई, जहां से शव को पोस्टमार्टम के लिए हाथरस भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक, गांव नसीरपुर रसमई निवासी करीब 32 वर्षीय योगेशपाल सिंह पुत्र कष्णवीर सिंह बाइक से गांव से कहीं जा रहा था तो इसी दौरान एक अन्य बाइक से उसकी बाइक की भिंडत हो गई। दूसरी बाइक पर गांव पिपरामई निवासी करीब 22 वर्षीय नारायण पुत्र भूरी सिंह और शेखर पुत्र गुलाब सिंह मौजूद थे। दोनों बाइकों में जोरदार भिंडत के बाद योगेशपाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार नारायण व शेखर को उपचार के लिए आगरा ले जाया गया, जहां गंभीर रूप से घायल हुए नारायण की रास्ते में ही मौत हो गई। शेखर का उपचार आगरा के अस्पताल में चल रहा है। बताते हैं कि योगेशपाल रसमई बिजलीघर पर संविदा विद्युत कर्मी के रूप में तैनात था, जबकि नारायण मजदूरी करके अपने परिवार का पेट पालता था। दोनों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है।

महिला से मारपीट और छेड़खानी के मामले में ६ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

सादाबाद। सादाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने सादाबाद कोतवाली में न्यायालय के आदेश पर गांव गीगला निवासी अमर सिंह, राजमोहन, अशोक, सचिन, पूजा व तर्षप्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में आरोप है कि 22 मई को शाम साढ़े छह बजे वह अपने परिवार के लिए अपने घर में खाना बना रही थी, तभी नामजद अपने हाथों में लाठी डंडे व सरिया आदि लेकर एकाराय होकर उसके घर में घुस आए और गालियां देना शुरू कर दिया। जब उसने गाली देने से मना किया तो उक्त नामजदों ने उसके साथ मारपीट की और उसे घर से खींचते हुए खरंजे पर ले आए। सभी लोगों ने उसके कपड़े अस्त व्यस्त कर दिए और उसे बुरी नीयत से नीचे गिरा लिया और छेड़खानी करने लगे। उसकी बेटी और पति उसे उसे बचाया तो बेटी के साथ भी मारपीट की, जिससे उसके व उसकी बेटी के चोट आईं। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई है। नामजदों ने जान से मारने की धमकी दी है।

खंड विकास कार्यालय परिसर में किया पौधरोपण

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। सादाबाद खंड विकास कार्यालय के परिसर में गुरूवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। यहां अवर अभियंता लघु सिंचाई संतोष कुमार, लेखाकार सुरेशचंद्र आजाद और मुनमुन चौहान द्वारा नीम, आम आदि के पौधों का रोपण किया और उसके संरक्षण का संकल्प लिया। मौके पर अन्य कर्मी भी मौजूद रहे।

टेस्ट के पहले दिन चमके यशस्वी

अर्धशतकीय पारी के साथ गावस्कर-रोहित के खास क्लब में शामिल

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम पर खेला जा रहा है। मेजबानों ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है। पहली पारी में यशस्वी जायसवाल ने अर्धशतक के साथ बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने बुधवार से शुरू हुए चौथे टेस्ट मैच में अर्धशतक जड़ा और सुनील गावस्कर व रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के खास क्लब में शामिल हो गए। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम पर खेला जा रहा है। मेजबानों ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है। जायसवाल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 96 गेंदों में भारत की पहली पारी में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 12वां पचासा है। वह 107 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। इस सीरीज में यह उनका तीसरा अर्धशतक है। उन्होंने अब तक मौजूदा सीरीज में 58, 0, 13, 28, 87, 4, 101 रनों की पारियां खेली हैं। जायसवाल ने इसी के साथ बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा 50 स्कोर बनाने वाले तीसरे भारतीय ओपनर बन गए। इस मामले में शीर्ष पर सुनील गावस्कर हैं जिन्होंने 66 पारियों में 20 बार 50 से ज्यादा रन बनाए। रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली 24 पारियों में आठ बार 50 से ज्यादा रन बनाए। अब यशस्वी ने 16 पारियों में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में आठ बार 50 से ज्यादा रन बनाए। केएल राहुल भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने 27 पारियों में सात बार इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 50 से ज्यादा रन बनाए। जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ पूरे किए 1000 टेस्ट रन इसके अलावा यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले 20वें भारतीय बल्लेबाज बन गए। युवा बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ 16 पारियों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले संयुक्त रूप से दूसरे सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज बन गए। इस मामले में शीर्ष पर राहुल द्रविड़ हैं, जिन्होंने 15 टेस्ट पारियों में इंग्लैंड के खिलाफ 1000 टेस्ट रन पूरे किए थे। तीन बदलावों के साथ उतरा भारत इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने बताया कि लियाम डॉसन की वापसी हुई है। उन्हें शोएब बशीर की जगह शामिल किया गया है। वहीं, भारत इस मुकाबले में तीन बदलावों के साथ उतरा है। करुण नायर की जगह साई सुदर्शन को मौका मिला है।

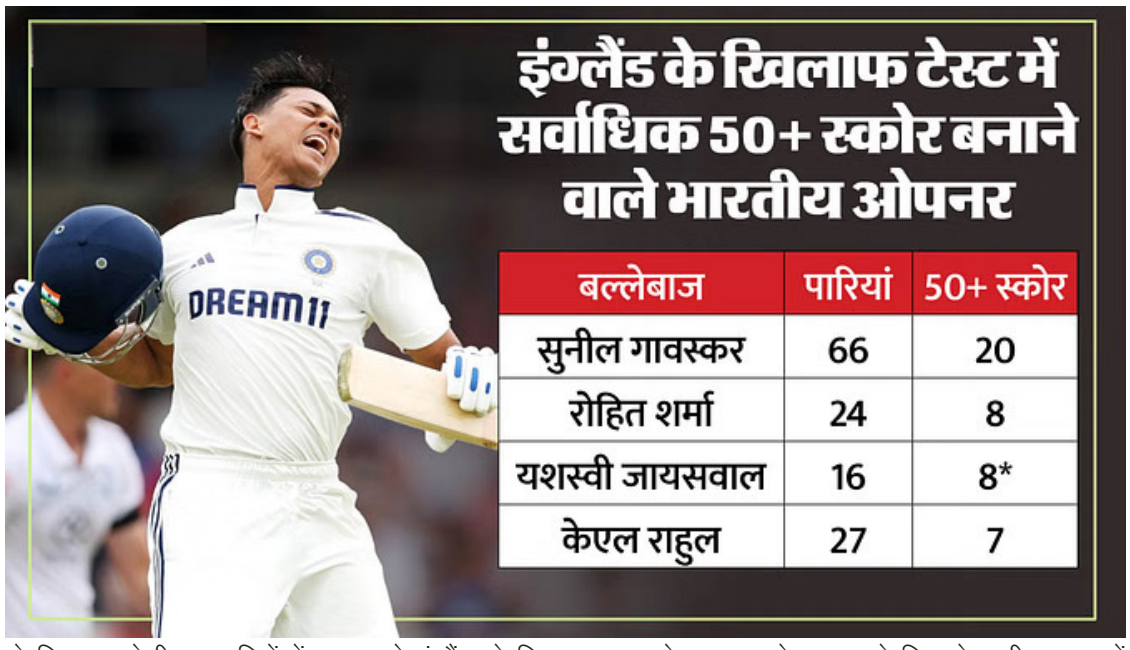

चीनी खिलाड़ी को हराकर दिव्या देशमुख फिडे महिला वर्ल्ड कप के फाइनल में

भारत की स्टार शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने फिडे महिला वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल के दूसरे गेम में चीनी झोंगयी टैन को मात दी। इसके साथ ही उन्होंने इस मिनी मैच 1.5– 0.5 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस प्रक्रिया में दिव्या कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी जगह बनाने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिला कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट अगले साल होना है और उस टूर्नामेंट से मौजूदा महिला वर्ल्ड चौंपियन वेनजुन जू के प्रतिद्वंद्वी का फैसला होगा। बता दें कि, दिव्या पहली बार वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रही हैं। चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोनर झू तत्कालीन हमवतन ग्रैंडमास्टर डी हरिका को क्वार्टर फाइनल में हराने के बाद दिव्या ने इस प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाए रखा और टैन के खिलाफ 101 चाल में जीत उनके बढ़ते शतरंज कौशल का प्रमाण था। दूसरे सेमीफाइनल में कोनेरू हम्पी ने 75 चाल में चीन की टॉप वरीयता प्राप्त टिंगजी लेई के साथ ड्रॉ खेला। हम्पी अब छोटे प्रारूप में लेई के खिलाफ टाई–ब्रेकर खेलेंगी। बता दें कि, 9 दिसंबर 2005 में नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। दिव्या के माता–पिता डॉक्टर हैं उनके पिता का नाम जितेंद्र और माता का नाम नम्रता है। दिव्या ने 2012 में सात साल की उम्र में अंडर–7 नेशनल चौंपियनशिप जीती। इसके बाद उन्होंने अंडर–10 और अंडर–12 कैटेगरी में विश्व युवा खिताब अपने नाम किया। इसके बाद 2014 में डरबन में आयोजित अंडर–10 वर्ल्ड यूथ टाइटल और 2017 में ब्राजील में अंडर–12 कैटेगरी में भी खिताब अपने नाम किए। उनकी निरंतर प्रगति ने उन्हें 2021 में महिला ग्रैंडमास्टर बना दिया और इसके साथ ही वह विदर्भ की पहली और देश की 22वीं महिला खिलाड़ी बनीं जिन्होंने ये उपलब्धि हासिल की।

पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग की जोड़ी ने दूसरे राउंड में बनाई जगह, पीवी सिंधू को भी मिली कामयाबी

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू ने बुधवार को जापान की छठी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को 21–15, 8–21, 21–17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में प्रवेश किया। सिंधू ने बेहतरीन शुरुआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13–5 की बढ़ बना ली और फिर आसानी से ये गेम अपने नाम कर लिया। वहीं दूसरे गेम में मियाजाकी ने बेहतरी वापसी की और लगातार 9 अंक लेकर 12–8 की बढ़ बना ली। जापान की खिलाड़ी ने ये गेम जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सिंधू ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बढ़त बनाए रखकर 62 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। मौजूदा समय में वर्ल्ड रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू का सामना दूसरी बार मियाजाकी से हो रहा था। वहीं पुरुष युगल में विश्व की 12वीं नंबर की जोड़ी सात्विक–चिराग ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को आसानी से 21–13, 21–9 से हराकर बेहतरीन जीत दर्ज की। इस भारतीय जोड़ी का अब अगले राउंड में सामना जापान के ताकुमी नोमुरा–युइची शिमोगामी या इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नंडो–बागास मौलाना के बीच होने वाले मैच से होगा। महिला युगल में, रुतपर्णा पांडा–श्वेतापर्णा पांडा की भारतीय जोड़ी हांगकांग चीन की येउंग नगा टिंग और येउंग पुई लाम से 12–21, 13–21 से हराकर बाहर हो गई।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में फारुख इंजीनियर को किया गया सम्मानित

भारत और इंग्लैंड के बीच ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर चौथे टेस्ट के पहले पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर और वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी क्लाइव लॉयड के नाम स्टैंड का उद्घाटन किया गया।

महिला सुरक्षा के लिए स्पेशल एआई सिस्टम, रेलवे स्टेशन पर अब चेहरे से पहचान

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित सात प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित चेहरे की पहचान प्रणाली लगाने की तैयारी है। इन सात रेलवे स्टेशनों पर एआई–संचालित चेहरे की पहचान वाली निगरानी प्रणाली लागू की जाएगी, जो तकनीक की मदद से सार्वजनिक सुरक्षा को आधुनिक और बेहतर बनाने की एक व्यापक योजना का हिस्सा है। सुरक्षा बढ़ाने के अलावा, एआई तकनीक का इस्तेमाल टिकट जाँच और बोर्डिंग प्रक्रिया को तेज करने के लिए भी किया जा सकता है, जिससे यात्रियों को लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा। रेलवे स्टेशनों को स्मार्ट स्टेशन बनाने की योजना के तहत इस नई तकनीक को लागू किया जाएगा, जिसमें सुरक्षा, निगरानी और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। चेहरे की पहचान तकनीक क्या है? चेहरे की पहचान एक बायोमेट्रिक तकनीक है जो किसी व्यक्ति के चेहरे की विशेषताओं का विश्लेषण करके उसकी पहचान करती है। रेलवे स्टेशन में प्रवेश करते ही, यह डिजिटल छवियों या वीडियो फ्रेम में व्यक्ति की आँखों, नाक, मुँह और चेहरे की संरचना को स्कैन करेगा। फिर यह डेटाबेस में मौजूद जानकारी से उसका मिलान करेगा। यह पूरी प्रक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम पर आधारित है। उन रेलवे स्टेशनों की पूरी सूची जहाँ एआई–संचालित चेहरे की पहचान प्रणाली स्थापित की जाएगी। मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसटी) मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में एआई–संचालित फेशियल रिकग्निशन (चेहरे की पहचान) प्रणाली स्थापित की जाएगी। यह यूनेस्को धरोहर स्थल होने के साथ–साथ भारत का सबसे पुराना और व्यस्ततम रेलवे स्टेशन भी है। गौरतलब है कि सीएसटी प्रतिदिन 30 लाख से ज़्यादा यात्रियों का आवागमन करता है। एआई और आधुनिक तकनीक की स्थापना के बाद, स्टेशन के पास ज्ञात अपराधियों की पहचान करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण होगा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन मुंबई के बाद, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी एआई–संचालित फेशियल रिकग्निशन सिस्टम लगाया जाएगा, जो प्रतिदिन 5 लाख से ज़्यादा यात्रियों के आवागमन के लिए जाना जाता है। इससे फेशियल रिकग्निशन संभावित अपराधियों का पता लगाने में मदद करेगा। यह नई तकनीक गुमशुदा लोगों को ढूँढने में भी मदद करेगी, खासकर त्योहारों के मौसम में जब भीड़ बहुत ज़्यादा होती है।

दो टेस्ट में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद गिल के बल्ले में लगी जंग!

मैनचेस्टर। गिल को मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने आउट किया। गिल 23 गेंद में 12 रन बना सके। इससे पहले लॉर्ड्स की पहली पारी में उन्होंने 16 रन और दूसरी पारी में छह रन बनाए थे। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। टीम इंडिया ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए हैं। शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा 19–19 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच 29 रन की साझेदारी हो चुकी है। कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर इस टेस्ट में फेल रहे। शुरुआती दो मैचों में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद उनके बल्ले से रन निकलना बंद हो चुका है। गिल ने हेडिंग्ले और एजबेस्टन को मिलाकर ही सीरीज में 600 के करीब रन बना लिए थे, लेकिन लॉर्ड्स और अब मैनचेस्टर में उनके बल्ले से रन नहीं निकला है।

भव्य प्रभात

सुरक्षा पहले

हाल के दिनों में हवाई उड़ान को लेकर तमाम ऐसी खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं कि जिससे आम लोगों के मन में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षा बोध पनपा है। यह स्वाभाविक है क्योंकि हवाई यात्रा के साथ तमाम तरह के जोखिम जुड़े हैं। गत बारह जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के भयावह विमान हादसे के बाद, जिसमें 260 लोग मारे गए थे, भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र गहन जांच के घेरे में है। यद्यपि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कई तरह की व्याख्याएं और निष्कर्ष सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आम धारणा यही है कि भारत की हवाई यात्रा व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में हुए एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन सर्वेक्षण में लगभग 76 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि भारत में कई एयरलाइनें यात्रियों की सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर ज़्यादा धन खर्च कर रही हैं। निस्संदेह यह गलत प्राथमिकताओं का एक ज्वलंत प्रसंग है, जो यही दर्शाता है कि हवाई यातायात व्यवस्था को पारदर्शी व जवाबदेह बनाने की सख्त जरूरत है। यह भी कि यात्रियों की सुरक्षा और कुशल हवाई संचालन में किसी चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से अपनाई जानी चाहिए। निस्संदेह इस बाबत सख्त कार्रवाई कुशल व सुरक्षित हवाई यातायात का मार्ग सुनिश्चित करेगी। विडंबना यह है कि हमने विगत के हवाई हादसों से कोई गंभीर सबक नहीं सीखे। 'सब चलता है' की नीतियां ही क्रियान्वित होती रही हैं। एक के बाद एक हादसों के लिए जांच आयोग तो कई बैठे, लेकिन सुधार के प्रयास तार्किक परिणति तक नहीं पहुंचे। हमारी राजनीतिक अक्षमताएं और निगरानी करने वाले संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप से अनुभवहीन लोगों को बैठाना भी हवाई परिचालन में अव्यवस्था का सबब बना। जिसके चलते हमारी हवाई व्यवस्था असुरक्षा के भय से मुक्त न हो पा रही है। साथ ही हमारी हवाई सेवाएं वैश्विक मानकों की कसौटी पर खरी न उतर पायीं। जिसका खमियाजा देश के हवाई यात्री भी भुगत रहे हैं। निस्संदेह विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बने भारत में नागरिक सेवाओं में यह गुणवत्तापूर्ण झलक नजर आनी चाहिए। यह गुणवत्ता विदेशी निवेशकों के लिए भी जरूरी है लेकिन फिलहाल हमारा नागरिक सेवाओं के प्रति अपेक्षित भरोसा नहीं बन पा रहा है। उल्लेखनीय है कि नागरिक सहभागिता मंच, लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि सर्वे में शामिल 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार उन्होंने कठिन उड़ान का अनुभव किया था, जिसमें टेकऑफ, लैंडिंग या उड़ान के दौरान कठिन परिस्थितियां शामिल थीं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को इस चिंताजनक स्थिति का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें राज्यसभा को बताया गया कि पिछले छह महीनों में पांच 'पहचाने गए' सुरक्षा उल्लंघनों के संबंध में एयर इंडिया को नौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। यह वास्तव में एक उल्लेखनीय दिन था जिस दिन संसद में विमानन सुरक्षा का ज्वलंत मुद्दा गूंजा – उसी दौरान एक विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से भटक गया, दूसरे ने आपातकालीन लैंडिंग की, एक विमान की बाहरी खिड़की का फ्रेम हवा में ही टूट गया, और एक उड़ान का टेकऑफ तकनीकी खराबी के कारण अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। सौभाग्य से, इन घटनाओं में किसी की जान या अंग की हानि नहीं हुई, लेकिन यात्रियों के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से ठेस पहुंची। अब समय आ गया है कि विभिन्न एयरलाइंस कंपनियां यह समझें कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि प्रचार अभियानों के जरिए ज़्यादा से ज़्यादा यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए आकर्षित करने की कवायद के बीच हवाई सुरक्षा से जुड़ी बुनियादी बातों को नजरअंदाज कर दिया गया, तो ये तमाम लुभावनी कोशिशें नाकाम हो सकती हैं। निस्संदेह यात्रियों को हर योजना में प्राथमिकता का स्थान मिलना चाहिएय उनकी सुरक्षा को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। और जब भी कोई एयरलाइंस सुरक्षा प्रोटोकॉल में किसी तरह की कोताही बरते, विमानन नियामक को तुरंत सख्त कार्रवाई करनी ही चाहिए।

उन्मादी कठपुतलियों का देश

सर्वमित्रा सुरजन

ककविवर भवानी प्रसाद मिश्र की कविता है कठपुतली, जिसमें कवि कहते हैं– कठपुतली, गुस्से से उबली बोलीकृ ये धागे, क्यों हैं मेरे पीछे–आगे ? तब तक दूसरी कठपुतलियां बोलीं कि– हां हां हां, क्यों हैं ये धागे हमारे पीछे– आगे? हमें अपने पांवों पर छोड़ दो, इन सारे धागों को तोड़ दो! बेचारा बाजीगर, हक्का – बक्का रह गया सुनकर फिर सोचा अगर डर गया तो ये भी मर गईं, मैं भी मर गया और उसने बिना कुछ परवाह किए, □ोर –□ोर धागे खींचे उन्हें नचाया! कठपुतलियों की भी समझ में आया कि हम तो कोरे काठ की हैं, जब तक धागे हैं, बाजीगर है तब तक ठाट की हैं, और हमें ठाट में रहना है याने कोरे काठ की रहना है। इसी कविता का एक दूसरा स्वरूप एनसीईआरटी की कक्षा सात की हिंदी पुस्तक में है, जिसमें एक कठपुतली के गुस्से पर, बाकी कठपुतलियां भी कहती हैं कि हां, बहुत दिन हुए, हमें अपने मन के छंद छुए, तो पहली कठपुतली सोचने लगती है कि ये कैसी इच्छा मेरे मन में जगी। दोनों ही प्रकारों में आखिरकार कठपुतलियों को ये मानना पड़ता है कि दूसरों के इशारे पर नाचना ही उनकी नियति है। कठपुतलियां दूर से भले कितनी भी सुंदर और आकर्षक दिखे, उनका सारा अस्तित्व उन धागों से ही है, जो बाजीगर के हाथ में बंधी हैं। कठपुतलियों की तरह अब इस देश की जनता भी ऐसे ही किसी और के धागे में बंधी रस्सियों के सहारे अपने अस्तित्व को निर्भर करती जा रही है। हमारा राष्ट्रगान जन गण मन को भारत का भाग्य विधाता कहता है। लेकिन ये कैसा भाग्यविधान हम रच रहे हैं, जिसमें उन्माद ही उन्माद नजर आ रहा है। सड़क से लेकर सिनेमाघरों तक फिलहाल इस उन्माद के नजारे देखे जा सकते हैं। एक फिल्म आई है सैयारा, जिसने प्रदर्शन के चार दिनों के भीतर ही 84 करोड़ का कारोबार कर लिया है। जिन लोगों ने फिल्म देखी है, उनके मुताबिक एक लंबे अरसे के बाद कोई अच्छी प्रेमकथा बड़े परदे पर देखने मिली है, दोनों नए कलाकारों ने अच्छा अभिनय किया है और इसके गीत भी अच्छे हैं। यानी मनोरंजन के लिहाज से फिल्म अच्छी है, इसलिए लोग इसे पसंद कर रहे हैं। मगर सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो आ रहे हैं, जिनमें इस फिल्म को देखते हुए रोते, बिलखते, उछलते, एक–दूसरे से गले लगते युवा नजर आ रहे हैं। मनोविज्ञान में इसे एक मनोविकार मास हिस्टीरिया कहते हैं, जो एक ऐसी सामाजिक घटना है जिसमें एक समूह के लोग बिना किसी पहचाने जाने योग्य शारीरिक कारण के समान लक्षण प्रदर्शित करने लगते हैं। सैयारा से पहले एक और फिल्म आई थी छावा, उसे देखकर भी सिनेमा हॉल के भीतर मुसलमानों और मुगल शासन के खिलाफ दर्शक नारेबाजी करते और उन्माद में चीखते दिखे थे। फर्क इतना ही है कि छावा में नफरती उन्माद की लहर थी, सैयारा से रुमानी भावुकता का उन्माद फैल रहा है। ऐसा नहीं है कि सैयारा जैसी प्रेमकथा को देखकर पहली बार ऐसा पागलपन हुआ है। 1981 में कुमार गौरव, विजेयता पंडित की लव स्टोरी और कमल हासन, रति अग्निहोत्री की एक दूजे के लिए, ये दो प्रेमकथाओं वाली फिल्में आई थीं और दोनों को देखकर युवाओं की दीवानगी बढ़ी थी। लेकिन वो दौर सोशल मीडिया

का नहीं था, इसलिए तब खबरें प्रकाश से भी तेज गति से नहीं पहुंचती थीं। उस वक्त समाज का माहौल भी काफी अलग था। भावनाओं की ऐसी मुखर अभिव्यक्तियां नहीं होती थीं, जो अब सहज हो जाया करती हैं। बहरहाल, सैयारा को लेकर यह दीवानगी कब तक चलेगी, कहा नहीं जा सकता। इससे प्रभावित युवा व्यक्तिगत तौर पर अपनी ऊर्जा या वक्त को कितना बर्बाद करते हैं, यह उनका निजी मसला है, लेकिन इससे व्यापक रूप से समाज को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। मगर जो दूसरे किस्म का उन्माद सड़कों पर फैलता जा रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। यह उन्माद धर्म के नाम पर फैला है और सालों साल फैलता ही जा रहा है। 11 जुलाई से सावन महीने की शुरुआत के साथ ही प्रारंभ हुई कांवड़ यात्रा बुधवार 23 जुलाई को महाशिवरात्रि पर खत्म हो गई। धार्मिक नजरिए से देखें तो यह व्यक्ति को अनुशासित करने की यात्रा है, जिसमें कड़े नियमों से बंधकर भक्त कंधे पर कांवड़ लेकर नंगे पांव चलते हैं। कई धर्मों में खुद को कष्ट देकर पुण्य कमाने के तरीके बताए गए हैं। यह भी उसी का एक प्रकार है। लेकिन भाजपा और आरएसएस ने इस देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की अपनी सनक में कांवड़ यात्रा का राजनीतिकरण कर दिया है। अब कांवड़ यात्राओं में केवल भक्तों को कष्ट नहीं उठाना पड़ता, जो लोग इस यात्रा का हिस्सा नहीं बनते हैं, वे भी कष्ट भोगने के लिए अभिशप्त कर दिए गए हैं। कांवड़ यात्रा निकालने के लिए सड़कें जाम की जाती हैं, वाहनों के मार्ग बदले जाते हैं, पुलिस प्रशासन को कांवड़ियों की सेवा में लगा दिया जाता है और इससे भी राजनैतिक लाभ मिलने में कमी रह जाए तो सरकारें खुद सेवा के लिए आगे आ जाती हैं। हमने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को कांवड़ियों पर फूल बरसाते और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को कांवड़ियों को भोजन परोसते देखा है। अपनी निजी हैसियत में ये लोग चाहे जितने धार्मिक कर्मकांड करें, लेकिन जब वे सरकार चलाने के लिए गद्दी पर बैठे हैं, तो इनकी पहली प्राथमिकता क्या होना चाहिए, ये सवाल जनता को करना चाहिए। मगर जनता कठपुतली बनी देख रही है कि उसके नेता पूजा में व्यस्त हैं। उत्तर प्रदेश में स्कूलों के बंद होने पर बच्चियां रो रही हैं, दिल्ली के कुछ सरकारी स्कूलों में घुटनों तक पानी भरा है, बच्चियां परेशान हैं, लेकिन कठपुतली बन चुकी जनता इस बात पर खुश है कि कांवड़ियों को तकलीफ न हो, इसका इंतजाम सरकार ने किया है। यहां तक भी ठीक है, लेकिन कांवड़ लेकर धार्मिक यात्रा पर निकले कई लोग सड़कों पर गुंडागर्दी करते हैं, तय सीमा से कहीं अधिक आवाज में डीजे बजाकर शोर करते हैं।

, दुकानदारों से लेकर सरकारी ड्यूटी पर तैनात लोगों से मारपीट करते हैं, लड़कियों से अभद्रता करते हैं, क्या उसे भी जनता ने सहजता से लेना शुरु कर दिया है। अगर ऐसा है, तो फिर यह न केवल लोकतंत्र के लिए बल्कि हिंदू धर्म के लिए भी बड़ी खतरनाक बात है। ऐसे रवैये से वाकई धर्म खतरे में पड़ते जा रहा है। जिन शिवजी के नाम पर पूरी कांवड़ यात्रा निकलती है, उनका एक नाम अर्द्धनारीश्वर भी है। स्त्री–पुरुष समानता का अनुपम उदाहरण शिव प्रस्तुत करते हैं। लेकिन क्या कांवड़ यात्रा में स्त्रियां पुरुषों की तरह बेखौफ होकर निकल सकती हैं, यह सोचने वाली बात है। अभी कुछ वीडियो देखने मिले, जिनमें कांवड़ यात्रा के वाहन में शिवजी की झांकी के सामने डीजे पर थिरकती लड़कियां हैं। कहने की जरूरत नहीं कि नृत्य अश्लील किस्म के थे और नजर आ रहा था कि कमाई के लिए लड़कियों को ऐसे नृत्य करने पर मजबूर होना पड़ा है। क्रोध में आकर खुद तांडव करने वाले शिवजी क्या ऐसी भक्ति से प्रसन्न होंगे। शिवजी का एक नाम पशुपतिनाथ भी है। यानी वे समस्त प्राणियों के नाथ हैं, फिर कांवड़ यात्रा के दौरान शोर से, भीड़ से जिन मूक पशुओं को कष्ट भोगना पड़ता है, क्या उनसे पशुपतिनाथ प्रसन्न होंगे। सबसे बड़ी बात तो यह कि शिवजी दूसरों को कष्ट से बचाने के लिए खुद जहर पीने का उदाहरण प्रस्तुत कर चुके हैं, फिर उनकी भक्ति के नाम पर दूसरों को कष्ट क्यों दिया जा रहा है। कांवड़ यात्रा शांति से भी निकाली जा सकती है। भक्त अपने कांवड़ लेकर निर्धारित मार्ग से यात्रा तय करें और सारे अनुष्ठान पूरे कर वापस लौटें। ऐसा सालों साल होता रहा है और हिंदुस्तानी समाज में कभी किसी को इस पर तकलीफ नहीं हुई। लेकिन अब सत्ता के लिए राजनीति धार्मिक उन्माद फैला रही है और लोग अपनी चेतना छोड़ उन्मादी कठपुतलियों में तब्दील हो रहे हैं।

अब अंतरिक्ष में भी शानदार कैरियर निर्माण की खुली राह

पिछले ही महीने भारत के सुधांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में प्रवेश करते ही देश के लाखों युवक–युवतियों को अंतरिक्ष में जाने और बतौर अंतरिक्ष यात्री आसमानी कैरियर बनाने के लिए प्रेरित किया है। अब हमारे युवा भी यह सपना संजोने लगे हैं। हमारे अंतरिक्ष विज्ञान संस्थान इसरो की तेज प्रगति ने इस सपने को और भी करीब ला दिया। इसरो, नासा और ईएसए के संयुक्त मिशन की सफलता ने भारतीय युवाओं के लिए अंतरिक्ष में भी कैरियर निर्माण की राह प्रशस्त कर दी है। भारत के आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान से भविष्य में देश के युवा उम्मीदवारों के लिए और अधिक अवसर खुलने की उम्मीद है।

उचित शिक्षा से तय करें राह

अंतरिक्ष यात्री बनना सिर्फ एक कैरियर नहीं है बल्कि ऐसा मिशन है जिसके लिए गहन विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, अंतरिक्ष विज्ञान, सैन्य विमानन या परीक्षण पायलटिंग, रोबोटिक्स, चिकित्सा या भौतिकी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। इसरो और नासा छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देने के लिए कई इंटर्नशिप प्रदान कर रहे हैं। लेकिन युवाओं को इस इंटर्नशिप को पाने के लिए समुचित व कड़े प्रयास करने होंगे। अंतरिक्ष की यात्रा हाईस्कूल से शुरू होती है, जहां विज्ञान और गणित में मजबूत आधार आवश्यक है। भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित यानी पीसीएम के साथ 12वीं के बाद छात्रों को इंजीनियरिंग, भौतिक विज्ञान, जैविक विज्ञान, गणित या वैमानिकी इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में स्नातक की डिग्री लेने का लक्ष्य रखना चाहिए। अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए युवाओं को कंप्यूटर इंजीनियरिंग,इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, ,इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग,मैकेनिकल इंजीनियरिंग,जियो फिजिक्स और एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में से किसी भी विषय में स्नातक,मास्टर डिग्री हासिल करनी होगी । जो लोग विमान, रॉकेट और उड़ान यांत्रिकी में रुचि रखते हैं, उनके लिए वैमानिकी या एयरोस्पेस इंजीनियरिंग एक स्वाभाविक विकल्प है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बी,टेक,एमटेक, एयरोफिजिक्स में बीएससी,एमएससी, मेकेनिकल इंजीनिरिंग या इलेक्ट्रानिक्स में बीटेक, स्पेस साइंस में एमएससी तथा एस्ट्रोनॉमी या एस्ट्रो फिजिक्स में पीएचडी जैसी शैक्षणिक योग्यता उपयोगी साबित होगी।

उच्च शारीरिक क्षमता

सही डिग्री और कॉलेज का चयन कर शैक्षणिक योग्यता हासिल करने के साथ ही अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए जरूरी है कि प्रत्याशी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें। अंतरिक्ष में जीरो ग्रेविटी में रहते हुए काम करना पड़ता है। अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में रहते हुए कई तरह की शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है– हड्डियों और मांसपेशियों के कमजोर होने से लेकर मनोवैज्ञानिक तनाव तक। अंतरिक्ष में प्रवेश करने से पहले कई कठोर चिकित्सा और फिटनेस परीक्षणों से गुजरना होगा। जिसके लिए उनमें उत्तम दृष्टि, सामान्य रक्तचाप, उत्कृष्ट हृदय और फेफड़े की कार्यक्षमता तथा सही वजन शामिल हैं। वहीं आपसी सामंजस्य की योग्यता जरूरी है। उनमें दबाव सहन करने तथा फोकस रखने की योग्यता हो।

प्रवेश द्वार है इसरो

इसरो छात्रों की भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित करता है। अगले चरण के लिए, किसी को भर्ती परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। परीक्षा में उपस्थित होने के लिए पात्रता स्नातकध स्नातकोत्तर की डिग्री है। इसरो में प्रवेश पाने का दूसरा रास्ता भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान अर्थात आईआईएसटी से होकर जाता है। इच्छुक युवा आईआइएसटी में प्रवेश लेकर इसरो का रास्ता तय कर सकता है। इसरो छात्रों को इंटर्नशिप कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरिक्ष कार्य के बारे में करीब से जानने का अवसर भी देता है, जहां रिसर्च स्कॉलर स्पेस से जुड़ी रिसर्च में योगदान दे सकते हैं। चाहे वह उपग्रह प्रणाली हो या मिशन योजना।

सेना भी ले जाती है अंतरिक्ष की ओर

हमारे देश के अंतरिक्ष यात्री सुधांशु शुक्ला ने भारतीय वायुसेना में अपनी सेवाएं देते हुए उड़ान का लम्बा और सफल अनुभव प्राप्त किया। अंतरिक्ष में कैरियर बनाने के लिए प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए पहले वायुसेना और फिर इसरो में प्रशिक्षण हासिल किया। इस क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले इस राह का अपना सकते हैं। दुनिया भर में बड़ी संख्या में अंतरिक्ष यात्री विमानन, इंजीनियरिंग या विज्ञान की पृष्ठभूमि से आते है। गौरतलब है कि हमारे पूर्व और वर्तमान अंतरिक्ष यात्रियों क्रमशरू राकेश शर्मा और सुभांशु शुक्ला ने भारतीय वायु सेना से ही अंतरिक्ष में अपनी राह प्रशस्त की। इसरो और नासा सहित कई अंतरिक्ष एजेंसियां ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता देती हैं जिनके पास सैन्य विमानन जैसे उच्च जोखिम, उच्च अनुशासन वाले वातावरण में काम करने का अनुभव हो। यह रास्ता एनडीए के माध्यम से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके वायु सेना अकादमी में शामिल होकर जाता है।

अंतरिक्ष यात्रियों की आय

अंतरिक्ष यात्री का वेतन अनुभव, देश और एजेंसी के आधार पर अलग–अलग होता है। अमेरिका में नासा के अंतरिक्ष यात्री अपने ग्रेड और अनुभव के आधार पर प्रति वर्ष 90 हजार से से 3 लाख डॉलर वेतन मिलता है। भारत में इसरो के अंतरिक्ष यात्री को प्रति वर्ष लगभग 25 से 40 लाख सैलरी मिलती है, साथ ही अतिरिक्त भत्ते और लाभ भी मिलते है। अंतरिक्ष यात्री के रूप में भविष्य गढ़ने वाले संस्थानों में भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी), तिरुवनंतपुरम, इसरो की अपनी शैक्षणिक शाखा के साथ–साथ आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), चेन्नई, बिट्स पिलानी , आईआईएसटी, त्रिवेंद्रम,आईआईएससी, बेंगलुरु, एनआईटी, तिरुचिरापल्ली ,आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई शामिल हैं। जो युवा आप आईआईएसटी में शीर्ष प्रदर्शन करते हैं उन्हें बिना किसी अतिरिक्त परीक्षा के, इसरो में सीधे प्रवेश मिल जाता है।

रात को नहीं सोने से सेहत को नुकसान होता है। लेकिन नाइट शिफ्ट जॉब या अन्य वजह से रात को जागना पड़े तो दिन में गुणवत्तापूर्ण नींद लेकर उसकी भरपाई कर सकते हैं। दिन में सोने के लिए कमरे का अनुकूल वातावरण व एंकर स्लीप, रात में पॉवर नैप के अलावा हल्के–सुपाच्य भोजन नींद की अच्छी क्वालिटी सुनिश्चित होती है। कई बार ऐसी मजबूरी आ जाती है कि न चाहते हुए भी हमें रतजगे करने पड़ते हैं। नौकरी में नाइट शिफ्ट या किसी अन्य कारण से अगर हमें रतजगे करने पडे, तो इससे सेहत को होने वाले नुकसान की भरपायी कैसे करें? इसके लिए हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, नेशनल स्लीप फाउंडेशन और ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली ने कई ऐसे उपाय सुझाये हैं, जिससे लोग रात में जगने के कारण अपने स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान की भरपाई कर सकते हैं।

दिन में 'एंकर स्लीप' लें

अगर किसी वजह से आपके लिए रात में जागना मजबूरी है, तो रात में न सोने से होने वाले स्वास्थ्य की भरपाई करने के लिए दिन में कम से कम एक एंकर स्लीप जरूर लें। यानी 4–5 घंटे तक लगातार सोना। रात में जगना पड़ रहा है, तो दिन में जब भी सोएं कोशिश करें कि 4–5 घंटे की नींद एक साथ लें। वास्तव में यही आपकी मुख्य नींद मानी जायेगी। यह नींद दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे के बीच हो। अगर रात में नहीं सो पा रहे, तो दिन में जब भी सोएं, आपके सोने का एक हेल्दी माहौल होना चाहिए। यानी सोने की जगह ऐसी हो, जहां अंधेरा, ठंडक और शांति हो। अगर जरा भी इन स्थितियों में कमी हो तो आंखों पर स्लीप मास्क और कानों में ईयर प्लग लगाकर सोएं। जहां सोएं अगर वहां प्राकृतिक रोशनी आ रही हो, तो ब्लैक आउट कॉटन लगाएं।

भारी भोजन और कैफीन से परहेज

अगर आप रात की शिफ्ट में काम करते हैं तो कॉफी, चाय या एनर्जी ड्रिंक का इस्तेमाल सिर्फ रात की शिफ्ट में काम करते वक्त शुरुआत के समय ही करें यानी जब सोने जा रहे हों तो सुनिश्चित करें कि उसके 6 घंटे पहले तक ऐसी किसी चीज का सेवन न किया हो। वहीं जब भी रात में जगने के कारण दिन में सोना हो तो सोने के पहले भारी भोजन बिल्कुल न करें, हल्का फुल्का और सुपाच्य खाना खाएं ताकि वह नींद आने के पहले ही पच जाए।

रात में 'पावर नैप'

रात की शिफ्ट के दौरान अगर संभव हो तो 20 मिनट या आधे घंटे की कम से कम एक 'पॉवर नैप' या नींद की तेज झपकी जरूर ले लें। इससे रात में जगने के दौरान सतर्कता बनी रहती है व किसी हद तक दिन में सोते समय रात की नींद की कमी भी पूरी हो जाती है। इसी तरह अगर रात में जगने के कारण दिन में नींद आने में दिक्कत हो तो अपने डॉक्टर से मिलें और उनकी सलाह से मेलाटोनिन सप्लीमेंट ले सकते हैं।

प्राकृतिक रोशनी का एक्सपोजर संतुलित रखें

रात की शिफ्ट से जब सुबह घर आएं तो आंखों को धूप के एक्सपोजर से बचाने के लिए चश्मा लगाएं या फिर उजाले से दूर रहें ताकि शरीर को रात की स्थिति में रहने का अहसास बना रहे। इसी तरह रात की शिफ्ट के शुरुआती समय रोशनी वाली जगह पर रहें, जिससे दिमाग में सतर्कता बनी रहे। साथ ही अगर लगातार रात में जगना पड़ रहा हो और दिन में सोना, तो कम से कम सप्ताहांत यानी छुट्टी में, बहुत ज्यादा नींद या अलग रूटीन से बचें।

मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें

अगर लगातार नाइट शिफ्ट करनी पड़ रही है या किसी वजह से लगातार आपको रात में जगना पड़ रहा है।